1. कहां से खरीदें

आमतौर पर 2 विकल्प हैं। पहला-पारंपरिक सर्राफा दुकान या शोरूम और दूसरा-ब्रांडेड स्टोर।

अगर आप पारंपरिक सर्राफा दुकान को चुनते हैं, तो सबसे जरूरी है उस पर भरोसा। वहीं, ब्रांडेड स्टोर ऐसा चुनें जो हॉलमार्क ज्वेलरी बेचते हों।

भारतीय सोना बाजार

63%-65% सर्राफा दुकान

35%-37% ब्रांडेड शोरूम

कैरेट क्या है और इसे कैसे पहचानें?

आगे की स्लाइड में जानते हैं...

2. कैरेट क्या है

कैरेट सोने की शुद्धता मापने का तरीका या ईकाई है।

शुद्ध सोना इतना मुलायम होता है कि उससे बनी ज्वेलरी का आकार और डिजाइन खराब हो जाता है। इससे बचने के लिए सोने में कुछ मात्रा में कांसा या तांबा जैसी धातु मिलाई जाती है।

यही वजह है कि ज्वेलरी खरीदते हुए सोने की **शुद्धता या कैरेट** का ध्यान रखना सबसे जरूरी है।

24 कैरेट का सोना सबसे खरा होता है

कैरेट	शुद्धता
24 कैरेट	**99.9%**
22 कैरेट	**91.67%**
18 कैरेट	**75%**
14 कैरेट	**58.33%**
9 कैरेट	**37.5%**

चांदी में शुद्धता का पैमाना फाइननेस

शुद्धता का निशान/फाइननेस	शुद्धता
999	**99.9%**
925	**92.5%**
900	**90%**
800	**80%**

‘कैरेट’ शब्द एक पेड़ से आया है।

पुराने समय में ‘कैरब’ नाम के पेड़ों के बीजों का इस्तेमाल सोना-चांदी और बेहद कीमती चीजों को तौलने के लिए किया जाता था। माना जाता है कि कैरब के बीजों का वजन दुनियाभर में एक जैसा होता है। इसी वजह से सोने की शुद्धता नापने के लिए कैरेट शब्द का इस्तेमाल होने लगा।

3. असल कैरेट का पता कैसे करें

सोने की शुद्धता जांचने के लिए गहनों में **3 चीजें देखें...**

1. BIS का लोगो

यह बताता है कि हॉलमार्किंग भारतीय मानक ब्यूरो ने की है।

2. शुद्धता का निशान

22K 916 जैसे कैरेक्टर दर्ज होते हैं। यानी सोना 22 कैरेट और 91.6% शुद्ध है।

3. HUID कोड

छह कैरेक्टर का HUID कोड हर गहने की यूनिक पहचान है। इसके जरिए गहने की पूरी डिटेल क्रॉस चेक कर सकते हैं।

ज्वेलरी पर हॉलमार्क अक्सर अंदर की तरफ होता है, जो पहनने पर दिखाई न दें। जैसे अंगूठी या ब्रेसलेट में अंदर की तरफ और गले की चेन में हुक या लॉक पर।

HUID कोड को मोबाइल से कैसे जांचें?

1. मोबाइल में BIS CARE ऐप डाउनलोड करें।
2. ऐप खोलकर 'Verify HUID' विकल्प चुनें।
3. गहने पर लिखा कोड दर्ज करें।
4. गहने की पूरी डिटेल स्क्रीन पर खुल जाएगी।

ध्यान रखें: अगर ऐप में HUID नंबर की जानकारी गहने से मेल नहीं खाती है, तो उसे न खरीदें।

नोट: सिक्के, बिस्किट या बार पर HUID होना जरूरी नहीं है।

दैनिक भास्कर

4. सही दाम का पता कैसे करें

सोने के भाव पहली बार दोपहर 12 से 12:15 के बीच जारी होते हैं और ग्राहकों को दिनभर इसी रेट पर मिलता है। शाम 5 से 5:15 के बीच दूसरी बार भाव अपडेट होते हैं। ये भाव सोने के कारोबारियों के लिए होते हैं।

लेटेस्ट रेट IBJA की वेबसाइट **(www.ibja.co)** पर देख सकते हैं-

- होमपेज पर 'IBJA's indicative Retail selling Rates for Gold Jewellery' सेक्शन देखें।
- यहां 24 कैरेट, 22 कैरेट, 20 कैरेट, 18 कैरेट और 14 कैरेट सोने के रेट प्रति ग्राम दिए जाते हैं।

ध्यान रहे: IBJA पर दिए गए रेट 3% GST और मेकिंग चार्ज के बिना होते हैं।

दैनिक भास्कर

5. सही तौल का पता कैसे करें

ज्वेलर से अपनी मौजूदगी में डिजिटल तराजू पर सोना तौलने को कहें। सोने का वजन आमतौर पर ग्राम और चांदी का वजन ग्राम और किलोग्राम दोनों में मापा जाता है।

तौलने से पहले देखें कि तराजू शून्य पर है या नहीं।

गहने में नग या मोती लगे हों, तो उनका वजन अलग करवाएं।

6. बनवाई और टैक्स समेत दाम कैसे जोड़ें

मेकिंग चार्ज

सोने से ज्वेलरी बनाने में होने वाले खर्च को मेकिंग चार्ज कहते हैं।

ये दो तरीके से लगता है

I. प्रति ग्राम

II. ज्वेलरी की कुल कीमत पर प्रतिशत के हिसाब से

मसलन- 22 अक्टूबर को 22 कैरेट सोने की कीमत 1.40 लाख/10 ग्राम है। आपने उस दिन 10 ग्राम सोने की चेन खरीदी, जिस पर 10% मेकिंग चार्ज है। तो आपके बिल में 14,000 रुपए मेकिंग चार्ज के जुड़ जाएंगे।

मेकिंग चार्ज आमतौर पर 2 से 35% तक होते हैं। डिजाइन जितना बारीक और जटिल, मेकिंग चार्ज उतना ज्यादा।

मेकिंग चार्ज बढ़ने से ज्वेलरी की कुल कीमत बढ़ जाती है। लेकिन जब आप पुरानी ज्वेलरी बेचते हैं, तो सिर्फ गोल्ड की कीमत जोड़ी जाती है। इसलिए ज्वेलर्स से मेकिंग चार्ज पर मोलभाव कर सकते हैं।

वेस्टेज चार्ज

ज्वेलरी बनाते समय सोने की कटाई या घिसाई के नाम पर ज्वेलर जो एक्स्ट्रा चार्ज लेता है, उसे वेस्टेज चार्ज कहते हैं।

- वेस्टेज चार्ज, ज्वेलरी के वजन या कीमत के हिसाब से लिया जा सकता है।
- हर दुकान और डिजाइन में वेस्टेज चार्ज अलग हो सकता है।
- कुछ दुकानदार इसे मेकिंग चार्ज में ही जोड़ देते हैं।

ध्यान दें: इस चार्ज से गहने की कीमत बढ़ जाती है। बेचते समय इसके पैसे वापस नहीं मिलते।

प्रीमियम चार्ज

सोने के बाजार भाव के अलावा सिक्के, बार या किसी खास उत्पाद के लिए लिया जाने वाला अतिरिक्त पैसा प्रीमियम चार्ज कहलाता है। यह ब्रांड, पैकिंग या बनाने के खर्च की वजह से हो सकता है।

ध्यान दें: प्रीमियम चार्ज के कारण सोना, बाजार भाव से महंगा मिलता है। बेचते समय ये रकम पूरी वापस मिले, यह जरूरी नहीं है।

GST

सोने के गहने, सिक्के और बिस्किट खरीदने पर आमतौर पर 3% GST देना होता है। यह टैक्स सोने की कीमत और मेकिंग चार्ज सहित कुल कीमत पर लगता है।

जैसे- सोने की कीमत ₹1.40 लाख, मेकिंग चार्ज ₹14 हजार और वेस्टेज चार्ज ₹5 हजार है, तो कुल रकम ₹1.59 लाख होगी।

इस पर 3% GST यानी ₹4,777 लगेगा। इस तरह कुल ₹1,63,777 चुकाने होंगे।

7. बिल लेते वक्त क्या देखना जरूरी है

बिल खरीदारी का प्रमाण है। भविष्य में एक्सचेंज, शुद्धता से जुड़ा विवाद या शिकायत होने पर यह काम आ सकता है। इसलिए जांच लें कि ये 7 बातें साफ-साफ लिखी हैं या नहीं...

बिल की डीटेल

1. दुकान का नाम	बिल नंबर, विक्रेता और खरीदारी की तारीख
2 शुद्धता	कैरेट या फाइननेस
3. वजन	नेट सोना या चांदी का वजन और जहां लागू हो, कुल वजन
4. कीमत	प्रति ग्राम भाव और कुल मूल्य
5. एक्स्ट्रा चार्ज	मेकिंग, वेस्टेज, पत्थर या प्रीमियम चार्ज
6. जीएसटी	लागू दर और टैक्स की रकम
7. अंतिम भुगतान	सभी चार्ज सहित कुल रकम

खरीदने के बाद मूल बिल, पेमेंट का प्रूफ, हॉलमार्क और HUID की फोटो, ज्वेलरी के साथ मिला सर्टिफिकेट सुरक्षित रखें।